LOKRANG – 26th January to 1st February 2010

(Incredible India)

Silver Jubilee

1986-2010

DHAROHAR	-	Folk Dances from India
DESHANTAR	-	Dances from Sri Lanka, Bangladesh, Indonesia, Tajkistan, Ujbekistan & Marisus
SHILPMELA	-	Dances from Sri Lanka, Bangladesh, Indonesia, Tajkistan, Ujbekistan & Marisus
PUTALIGHAR	-	Puppet Show
ULLAS	-	Puppet Show
SWAD	-	Food Festival
SRIJAN	-	Prints on Textile
Apna Madhya Pradesh	-	Exhibition
PIR PARAI JANE RE 30 Jan 2010	-	Bhakti Sangeet

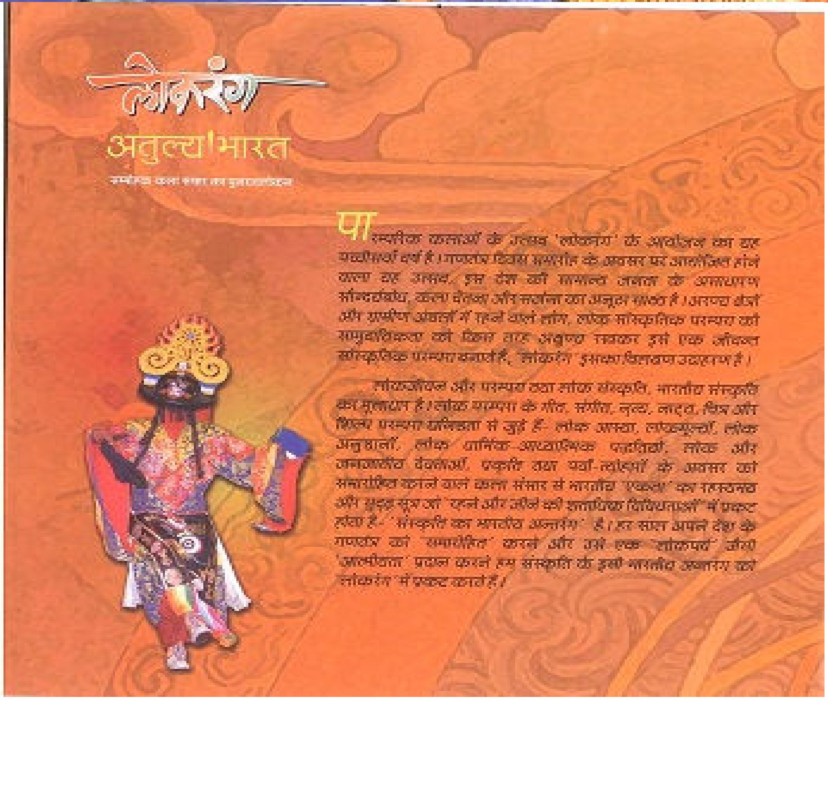

लोकरंग

अतुल्य भारत

पारम्परिक कलाओं के उत्सव 'लोकरंग' के आयोजन का यह पच्चीसवाँ वर्ष है। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाला यह उत्सव, इस देश की सामान्य जनता के असाधारण सौन्दर्यबोध, कला चेतना और सर्जना का अनूठा साक्ष्य है। अरण्य क्षेत्रों और ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोग, लोक सांस्कृतिक परम्परा की सामुदायिकता को किस तरह अक्षुण्ण रखकर इसे एक जीवन्त सांस्कृतिक परम्परा बनाते हैं, 'लोकरंग' इसका विलक्षण उदाहरण है।

लोकजीवन और परम्परा तथा लोक संस्कृति, भारतीय संस्कृति का मूलाधार है। लोक सम्पदा के गीत, संगीत, नृत्य, नाट्य, चित्र और शिल्प परम्परा धार्मिकता से जुड़े हैं- लोक आस्था, लोकमूल्यों, लोक अनुष्ठानों, लोक धार्मिक-आध्यात्मिक पद्धतियों, लोक और जनजातीय देवलोकों, प्रकृति तथा पर्वों-त्यौहारों के अवसर को समारोहित करने वाले कला संसार से भारतीय 'एकता' का रहस्यमय और सूक्ष्म सूत्र जो 'जनों और जीवन की शाश्वत विविधताओं' में प्रकट होता है- 'संस्कृति का भारतीय अन्तरंग' है। हर साल अपने देश के गणतंत्र को 'समारोहित' करने और उसे एक 'लोकपर्व' जैसी 'आत्मीयता' प्रदान करने हम संस्कृति के इसी भारतीय अन्तरंग को 'लोकरंग' में प्रकट करते हैं।

26 जनवरी से 1 फरवरी, 2010
रवीन्द्र भवन परिसर
स्वराज पार्क, भोपाल
प्रतिदिन 5 बजे से

पुतलीघर
देश-विदेश की
कठपुतलियों पर एकाग्र
प्रदर्शनी

अलंकरण
गणतंत्र दिवस समारोह
परेड में चयनित प्रतिभागियों
झाँकियों और 'नन्हें कदम'
चित्र प्रतियोगिता के
राज्य स्तरीय पुरस्कार

शिल्प मेला
विविध माध्यमों के
शिल्पकारों द्वारा शिल्पों का
प्रदर्शन और बिक्री

धरोहर
देश के सभी राज्यों की
प्रमुख नृत्य प्रस्तुतियाँ

देशान्तर
श्रीलंका, बांग्लादेश,
इण्डोनेशिया, ताजिकिस्तान,
उज़्बेकिस्तान और मॉरीशस देशों की
नृत्य प्रस्तुतियाँ

उल्लास
बच्चों के लिए कठपुतली प्रदर्शन
शाम 5 से 10 बजे, स्वराज पार्क

स्वाद
आंचलिक व्यंजन
स्वराज पार्क

वार्ता
संस्कृति विभाग के
प्रकाशनों की बिक्री

सिरजना
मिट्टी, वस्त्र छापा कला, वस्त्र बुनाई
वस्त्र कढ़ाई, साड़ी, दरी और अंगवस्त्रम्
प्रदर्शनी एवं कार्यशाला

पीर पराई जाने रे.........
सुप्रसिद्ध गायिका
श्रीमती रेखा भारद्वाज
का भक्ति गायन
30 जनवरी, 2010

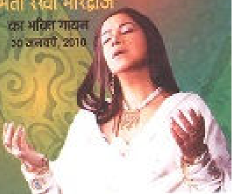

अपना मध्यप्रदेश
प्रदेश के बहुआयामी
विकास की झलक
प्रदर्शनी

संजीवनी
वन औषधियाँ और
देशज औषध ज्ञान पद्धति
प्रदर्शनी एवं बिक्री

भारत सरकार पर्यटन विभाग - नई दिल्ली
संगीत नाटक अकादमी - नई दिल्ली
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र - नई दिल्ली
उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र - इलाहाबाद
दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र - नागपुर
हरियाणा कला परिषद - पंचकुला
संस्कृति विभाग - छत्तीसगढ़ शासन
संस्कृति विभाग - गुजरात सरकार
मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम
स्वराज संस्थान संचालनालय
जनसंपर्क विभाग, वन विभाग
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग - मध्यप्रदेश शासन
के सहयोग से
संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन
का आयोजन

गणतंत्र दिवस के अवसर पर
जनजातीय और लोक कलाओं के पच्चीसवें राष्ट्रीय समारोह

लोकरंग

का शुभारम्भ रवीन्द्र भवन परिसर में
26 जनवरी, 2010 को शाम 7 बजे
महामहिम राज्यपाल **श्री रामेश्वर ठाकुर** करेंगे.
भारत में इण्डोनेशिया के राजदूत
माननीय लेफ्टी. जन. **श्री आंदी मुहम्मद गालिब** विशिष्ट अतिथि होंगे.
माननीय **श्री लक्ष्मीकांत शर्मा**
मंत्री, संस्कृति, जनसम्पर्क, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं
प्रशिक्षण विभाग, अध्यक्ष होंगे.
संस्कृति का भारतीय अंतरंग शृंखला के दसवें वर्ष में
सम्मोहक कला संसार के पुनरावलोकन
अतुल्य भारत
में देश के सभी राज्यों के
प्रतिनिधि कलारूपों की प्रस्तुतियाँ होंगी.
समारोह में लगभग छः सौ जनजातीय और
लोक कलाकार तथा शिल्पी शामिल हो रहे हैं.
इसके अलावा इण्डोनेशिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, मॉरीशस,
उज़्बेकिस्तान तथा ताजिकिस्तान की नृत्य प्रस्तुतियाँ होंगी.

महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि 30 जनवरी को
श्रीमती रेखा भारद्वाज का भक्ति गायन होगा.

समारोह के रजत वर्ष में विशेष रूप से आयोजित
सात दिवसीय विविधवर्णी उत्सव में
आप सादर आमंत्रित हैं.

आभा अस्थाना
अपर मुख्य सचिव
संस्कृति, मध्यप्रदेश शासन

रजत वर्ष
1986 - 2010